औद्योगिक विकास तथा समवाय-कार्य मंत्री (श्री फखरुद्दीन अली अहमद) : (क) और (ख). अन्य विभागों/कार्यालयों की भांति ही दिल्ली प्रशासन के एक कर्मचारी को भी जो दिल्ली नगर निगम में नगर-पाल के निजी सचिव के पद पर प्रति-नियुक्ति पर था और जो 350-900 रु० (तथा 75 रु० मासिक विशेष वेतन) के वेतन क्रम में था, औद्योगिक लाइसेंस नीति जांच समिति में सहायक निदेशक के पद पर उसकी इसलिये नियुक्ति की गई कि पिछले प्रशासनिक अनुभव एवं योग्यता की दृष्टि से वह इस पद के लिये विशेष रूप से उपयुक्त पाया गया।

भारत हैवी प्लेट्स एण्ड वैसल्स कारपोरेशन

1993. **श्री लखन लाल कपूर :**
श्री राम चरण :

क्या औद्योगिक विकास तथा समवाय-कार्य मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या "भारत हैवी प्लेट्स एण्ड वैसल्स कारपोरेशन" के प्रबन्ध निदेशक के पद पर कोई नई नियुक्ति की जा रही है ; और

(ख) यदि हां, तो इसके क्या कारण हैं ?

औद्योगिक विकास तथा समवाय-कार्य मंत्री (श्री फखरुद्दीन अली अहमद) : (क) जी, नहीं।

(ख) प्रश्न ही नहीं उठता।

वाणिज्य मंत्रालय में इन्वेस्टीगेटर्स

1994. **श्री लखन लाल कपूर :**
श्री राम चरण :

क्या वाणिज्य मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) उनके मंत्रालय में इन्वेस्टीगेटर्स के कितने पद हैं ;

(ख) उनमें से कितने पद अनुसूचित जातियों तथा अनुसूचित आदिम जातियों के लिये आरक्षित किये गये हैं ; और

(ग) अनुसूचित जातियों तथा अनुसूचित आदिम जातियों के कितने व्यक्ति इन पदों पर वास्तव में काम कर रहे हैं ?

वाणिज्य मंत्रालय में उप-मंत्री (श्री मौहम्मद शफ़ी कुरैशी) : (क) 69।

(ख) और (ग). वाणिज्य मंत्रालय में इन्वेस्टीगेटर के पदों की भर्ती के नियमों के अनुसार 50 प्रतिशत पद प्रत्यक्ष भर्ती द्वारा तथा 50 प्रतिशत पद प्रतिनियुक्ति अथवा स्थानान्तरण द्वारा भरे जाते हैं। परिणामत: आरक्षण आदेश प्रत्यक्ष भर्ती के लिए आरक्षित रिक्तियों पर ही लागू होंगे। साम्प्रदायिक सूची (कम्यूनल रौस्टर) बनाने के प्रयोजनार्थ इन्वेस्टीगेटर्स के पदों को मंत्रालय में श्रेणी-3 के अन्य समवर्ती पदों के ग्रुप में शामिल कर लिया गया है। अत: इन्वेस्टीगेटर्स के ग्रेड में कोई अलग आरक्षण नहीं है परन्तु ग्रुप में नियुक्तियां समग्रत: निर्धारित सूची (रौस्टर) के आधार पर की जाती हैं। इस समय मंत्रालय में अनु-सूचित जातियों के चार तथा अनुसूचित आदिम जातियों का एक व्यक्ति इन्वेस्टीगेटर के रूप में कार्य कर रहे हैं।

उद्योग व्यापार पत्रिका

1995. **श्री लखन लाल कपूर :**
श्री राम चरण :

क्या वाणिज्य मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या उनके मन्त्रालय द्वारा हिन्दी में "उद्योग व्यापार पत्रिका" नामक पत्रिका प्रकाशित की जाती थी ;

(ख) इस पत्रिका का प्रकाशन बन्द किये जाने के क्या कारण हैं ; और